<u>प्रेस विज्ञप्ति दिनांक 24 सितम्बर 2024</u>

दिनांक 24 सितम्बर, 2024 को सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के दीक्षांत समारोह के अवसर पर माननीय राज्यपाल-सह-झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति महोदय के संबोधन के मुख्य बिन्दु:-

जोहार!

1. सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका द्वारा आयोजित इस दीक्षांत समारोह में आप सभी के मध्य आकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। इस ऐतिहासिक अवसर पर मैं सभी उपाधिधारक छात्र-छात्राओं और शोधार्थियों को हार्दिक बधाई देता हूँ। इस अवसर पर मैं आपके शिक्षकों और अभिभावकों को भी उनके अमूल्य योगदान हेतु बधाई देता हूँ।

2. आज का यह दिन निश्चित रूप से आपके कठिन परिश्रम, समर्पण और निरंतर प्रयासों का फल है। लेकिन, यह केवल आपकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि आपके परिवार, समाज और इस विश्वविद्यालय के लिए भी गर्व का क्षण है। मेरे प्रिय विद्यार्थियों, याद रखें, शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि नैतिकता, सहानुभूति और नेतृत्व क्षमता का विकास करना भी है। मैं पूर्ण आशा करता हूँ कि आपकी शिक्षा और ज्ञान से समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में सार्थक कार्य होंगे।

3. सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका हमारे महान स्वतंत्रता सेनानी सिदो और कान्हु के नाम पर स्थापित है। मातृभूमि के लिए उनके संघर्ष और बलिदान को सदैव याद रखा जाएगा। उनकी वीर गाथाएँ न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश को प्रेरित करती हैं। मैं देश के इन महान सपूतों को नमन करता हूँ और उनके प्रति अपनी श्रद्धा-सुमन अर्पित करता हूँ।

4. सिदो और कान्हु ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ ऐतिहासिक 'संथाल विद्रोह', जिसे 'हूल क्रान्ति' भी कहा जाता है, का नेतृत्व किया। इस विद्रोह ने न केवल जनजाति समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष की मिसाल कायम की, बल्कि पूरे देश में स्वतंत्रता के प्रति जनमानस में जागरूकता और संघर्ष की भावना को भी प्रेरित किया। उनके साहस से हमें यह सीख मिलती है कि अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना और अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना मानवता की सबसे बड़ी जिम्मेदारियों में से एक है।

5. सिदो-कान्हु के संघर्षों ने जनजातीय समाज को एकजुट किया। उनके बलिदान की गाथा यह संदेश देता है कि कोई भी लड़ाई असंभव नहीं होती, यदि उसमें धैर्य, साहस और सामूहिकता का बल हो। आज, इस विश्वविद्यालय के विद्यार्थी के रूप में, आप सभी के कंधों पर अपने समाज, अपनी संस्कृति और अपने राज्य के विकास में योगदान देने की एक अहम जिम्मेदारी है। यह आपका दायित्व है कि आप उनके संघर्षों से प्रेरित होकर अपने समाज की उन्नति के लिए कार्य करें और उन आदर्शों को आगे बढ़ाएँ, जिनके लिए सिदो-कान्हु जैसे वीर सपूतों ने अपना जीवन समर्पित किया।

6. जनजातीय क्षेत्र में स्थापित सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय से हमारी बहुत अपेक्षाएं हैं। यह केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि हमारे जनजातीय

समाज की संस्कृति, इतिहास और परंपराओं का प्रतीक है। शिक्षा ही से ही विकास और सशक्तिकरण संभव है। इस विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान प्रदान करना ही नहीं, बल्कि जनजातीय समाज के उत्थान, उनकी समस्याओं के समाधान और उनके सांस्कृतिक गौरव को संरक्षित रखने में योगदान देना भी है।

7. आप सभी से यह अपेक्षा की जाती है कि आप अपने अध्ययन और शोध से उन चुनौतियों का समाधान ढूंढेंगे, जिनका सामना जनजाति समाज और ग्रामीण समुदाय कर रहे हैं। चाहे वह कृषि हो, पर्यावरण संरक्षण हो, स्वास्थ्य या शिक्षा, हर क्षेत्र में आपके प्रयासों की आवश्यकता है।

8. जनजातीय समाज की संस्कृति और परंपराओं को ध्यान में रखते हुए, इस विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र और भी व्यापक हो जाता है। आशा है, आपकी मेहनत और समर्पण से न केवल आपके लिए, बल्कि आपके समाज और राज्य के लिए भी नए रास्ते खुलेंगे।

9. हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी का सपना है कि हमारा देश 2047 तक एक 'विकसित राष्ट्र' के रूप में स्थापित हो। 'विकसित भारत@2047' के लक्ष्य को प्राप्त करने में विश्वविद्यालय एवं हमारे युवाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। आप सभी द्वारा अर्जित शिक्षा और कौशल केवल आपकी व्यक्तिगत प्रगति के लिए नहीं, बल्कि देश की समृद्धि और विकास के लिए भी आवश्यक हैं। आपका योगदान हमारे समाज को सशक्त बनाने और 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। जब आप अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए करेंगे, तब ही हम अपने देश को नई ऊँचाइयों पर पहुँचा सकेंगे।

10. आज का यह दीक्षांत समारोह आप सभी के जीवन में केवल एक शैक्षणिक उपलब्धि ही नहीं है, बल्कि आपके जीवन के नए अध्याय की शुरुआत है। जब आप इस विश्वविद्यालय से बाहर निकलेंगे, तो आपको कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। लेकिन यह भी सच है कि आपके सामने अपार संभावनाएँ और अवसर होंगे। अपने ज्ञान, कौशल और मेहनत से आप न केवल अपने जीवन को सफल बना सकते हैं, बल्कि समाज और देश की उन्नति में भी महत्वपूर्ण योगदान कर सकते हैं।

11. मेरा आपसे आग्रह है कि आप अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज और राष्ट्र के व्यापक हित में करें। आपके सामने यह जिम्मेदारी है कि आप विज्ञान, प्रौद्योगिकी, सामाजिक न्याय और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नए कीर्तिमान स्थापित करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत रहें। आपकी सोच और नवाचार से ही हमारे देश को विकास के नए आयामों तक पहुँचाया जा सकेगा। आपका प्रयास न केवल व्यक्तिगत सफलता के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह हमारे समाज के उत्थान में भी सहायक होगा।

12. एक बार पुनः आप सभी को भविष्य के लिए मेरी ओर से असीम शुभकामनाएँ। सफलता के मार्ग में निरंतर आगे बढ़ते रहें और अपने कार्यों से समाज को नई दिशा दें। मेरा आशीर्वाद हमेशा आप सबके साथ हैं।

धन्यवाद!

जय हिन्द! जय झारखण्ड!